IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

समग्र शिक्षा अभियान

ANANT RAJ JEJAWARE, Research Scholar,
Department of Education Himalayan University.
Dr. Prashant Pandey, Associate Professor
Department of Education Himalayan University.

शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रकिया हैं। शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु भारत सरकार द्वारा कई अभियान चलाए जा रहे है। उनमे से एक है ''समग्र शिक्षा अभियान''। समग्र शिक्षा अभियान क्या है? समग्र शिक्षा के उद्देश्य क्या है? समग्र शिक्षा की विशेषताएँ क्या है? प्रस्तुत लेख उपरोक्त बिंदुओं पर प्रकाश डालता है।

प्रस्तावना: आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर 12वीं कक्षा की स्कूली शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार करने का एक कार्यक्रम है– समग्र शिक्षा अभियान। केंद्रीय बजट 2018–2019 में, आंगनबाड़ी से लेकर बारहवीं तक के स्कूली शिक्षा को समग्र रूप से बिना विभाजन के करने का प्रस्ताव रखा गया था। स्कूल की प्रभावशीलता में सुधार करने के उद्देश्य से विद्यार्थी शिक्षा में सबको समान सुअवसर के रूप में छात्रों के लिए समान शिक्षण एवं समान परिणामों को प्राप्त करना है । सभी योजनाओं का क्रियान्वयन देश के सभी विद्यालयों में यह अभियान द्वारा सुनिश्चित किया जाये। समग्र शिक्षा के उद्देश्य :– शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा प्रदान करने में और उनके सीखने के परिणाम को गुणवत्ता पूर्ण रूप से बढ़ाना। सामाजिक और लिंग अंतराल को विद्यार्थी शिक्षा द्वारा रिक्तता भरना। सभी स्तरों पर निष्पक्ष और समावेश सुनिश्चित कराने हेतु विद्यार्थी शिक्षा को माध्यम बनाना। विद्यालयी शिक्षा के प्रावधान में निर्धारित कमतर मानकों को निश्चित करना।

व्यवहारिक विषय वाली शिक्षा के व्यवसाय करण को बढ़ावा देने हेतु बेहतर समझ का उपयोग। अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 से बच्चों के अधिकारों के समुचित रूप में निःशुल्क शिक्षा क्रियान्वयन राज्य के सहयोग से सुनिश्चित करना।

शिक्षण प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में DIET की स्थापना करना, साथ ही SCERT एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत कर उसके विकास के लिए प्रयास करना। विशेषताएं

आंगनबाड़ी बारहवी तक के समग्र दृष्टिकाणे ा में विद्यालयी शिक्षा समग्र रूप में प्रस्तुत हाने ा चाहिए। साथ ही इसक` स्तरों का विभाजन नही ंहाने` की सुनिश्चिता हाने ी चाहिए। आंगनबाड़ी के स्तर स` लके र उच्च माध्यमिक शिक्षा की योग्यता का` पहली बार जाडे न` का प्रयास। प्रशासनिक सुधार अग्रणीयएकल और केद्रं ीयकृत प्रशासनिक संरचना का सामंजस्यपणू र् कार्य एवं पूर्ण क्रियान्वयन के द्वारा सुधार की अपक्षे ाा। राज्यों को अपने हस्तक्षपे को बढ़ावा देने में सहायता के लिए लचीलापन हाने ा इस योजना की विशेषता के रूप में रखना।

स्कलू की निरंतरता का` देखभाल के लिए एक एकीकृत प्रशासन का निर्माण करना। शिक्षा की गुणवत्ता–शिक्षा और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित हाने` के साथ विद्यालयी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार इस योजना का विशेष लक्ष्य है। विद्यालयी प्रधानाध्यापक को तथा शिक्षको ं के द्वारा योग्यता निर्माण और सीखने को प्रोत्साहित करना(जिज्ञासु बनाना) शिक्षक शिक्षा संस्थानों की मजबतू ी के लिए एससीईआरटी और डाइट जैसे संस्थानों में भावी शिक्षको ं की गुणवत्ता मे ं सुधार हाने` की आश्वस्त करना। राष्ट्रीय अभियान के समर्थन द्वारा विद्यालयों में गणित और विज्ञान सीखन` को बढ़ावा देने के लिए समर्थन करना। मूलभूत कौशल विकास करने के लिए वदं` भारत योजना को प्राथमिक स्तर पर सहयोग देना। 5000 से 20000 तक के पुस्तकालय अनुदान का प्रावधान प्रत्येक विद्यालय में लागू करना। डिजिटल शिक्षा संबंधी मुख्य बातें– प्रौद्योगिकी के आधार पर शिक्षण कक्षाओ ं की मदद कर शिक्षा आधारित क्राति का` समझने के लिए ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड की सहायता प्रत्येक माध्यमिक विद्यालयों में करना विद्यालयी शिक्षा में डिजिटल प्रद्योगिकी के प्रयागे के द्वारा स्मार्ट कक्षा डिजिटल बोर्ड और डीटीएच चेनलो ं के माध्यम से शिक्षण का` बढ़ावा देना।

डिजिटल के पहल द्वारा UDISE PLUS, SHAGUN का` मजबूत करना स्कलू ो ं मे ं आईसीटी के बुनियादी ढांचे का` मजबतू करने स` उच्च प्राथमिक और उच्च माध्यमिक स्कलू ों में मजबतू ी आना। विद्यालयों का सुदृढीकरण में बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार सभी सरकारी विद्यालय में करना।

स्वच्छता गतिविधियों के लिए स्वच्छ विद्यालयो ं का` सहयोग करने हेतु विशिष्ट प्रावधान करना। विद्यालयी नामांकन के आधार पर कम्पोजिट विद्यालय अनुदान का` 14500 से 50 हजार रुपए बढ़ाकर 25000 से 100000 तक किया जाना। सभी बच्चों को परिवहन सुविधा कराना। बालिका शिक्षा

बटे ी बचाओ–बेटी पढ़ाआ` के माध्यम स` बालिका शिक्षा पर ध्यान आकृष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हाने ा। कक्षा 6 से 8 के स्थान पर कक्षा 6 स` 12 तक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का` अपग्रेड करने हेतु पहल करना। कौशल विकास– कौशल विकास पर समुचित जारे देना। उच्च प्राथमिक स्तर पर व्यवसायिक कौशल विकास के साथ–साथ ज्ञान को भी समुचित बढ़ावा देना। कक्षा 9 से 12 के लिए पाठ्यक्रम के साथ व्यवसायिक शिक्षा को समन्वित किया जाना चाहिए। साथ ही छात्रों को औद्योगिक रोजगार उन्मुख शिक्षा दी जाने पर जारे देना। खले और शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में, खेल शिक्षा का` अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए प्रत्येक विद्यालय का` खेल की प्रसगिकता का` बढ़ाने पर बल देने के साथ–साथ खेल उपकरण उपलब्ध कराई जानी चाहिए इस प्रारूप में प्राथमिक विद्यालय के लिए 5000 तक उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का` 10000 और माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयां` के लिए 25000 तक की राशि मुहैया कराई जानी चाहिए। क्षत्रे ीय संतुलन पर बढ़ावा

संतुलित शैक्षिक विकास का` अग्रसारित करना, पिछड़े प्रखंड EBB, LWE प्रभावित जिले SFD सीमावर्ती क्षेत्र और नीति आयोग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक रूप स` 117 अकाक्षं ात्मक जिलो ं को महत्व देना। केद्रं और राज्य के बीच समग्र शिक्षा अभियान योजना के लिए वर्तमान में 8 पवू ोत्तर राज्य अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, तथा हिमालय राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखडं, जम्मू कश्मीर के लिए 90:10 के अनुपात मे ं FUND SHARING पैटर्न का ` प्रस्तुत करना।

सभी राज्यो ंजो विधानमंडल वाले हैं और केद्रंशासित प्रदेशां` के लिए 60:40 है जबकि बिना विद्यान मंडल केद्रं शासित प्रदेशो ं के लिए 100 प्रतिशत केद्रं प्रायोजित है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि समग्र शिक्षा अभियान आंगनवाड़ी केद्रं स` लके र 12वीं कक्षा की स्कलू ी शिक्षा में गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया है शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा प्रदान करने में और उनके सीखन` के परिणामो ं को गुणवत्ता पणू र्ा रूप स` बढ़ाना बीज का मुख्य उद्दश्े य है अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 स` बच्चों के अधिकारां` के समुचित रूप निशुल्क शिक्षा का प्रबधं ा करना शिक्षण प्रशिक्षण के लिए नाडे ल एजेंसी के रूप में डायट की स्थापना, करना साथ ही एससीईआरटी एव ं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानो ं को मजबतू करना भी इसका मुख्य उद्दश्े य है बटे ी बचाओ–बेटी पढ़ाओ के माध्यम स` बालिका शिक्षा पर ध्यान देना, कक्षा 6 से 8 के स्थान पर बड़` कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का` अपग्रेड करना उच्च प्राथमिक स्तर पर व्यवसायिक कौशल विकास के साथ–साथ ज्ञान पर भी जोर दिया गया है। व्यवसायिक शिक्षा के साथ–साथ खेल और शारीरिक शिक्षा को भी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है अतः समग्र शिक्षा अभियान भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित हागे ा । सन्दर्भ सूची